How and when did you become a poet?

by Narendra Modi 9. October 2009 11:47

विशाल काय
पत्थरों की कोख से
कब निकला झरना झर-झर
पहाडों को क्या खबर?

करुणा जब शब्द की
काया धरे
तब
संवेदना की
सुगंध फैले

करुणा, वेदना, संवेदना
का भाव-विश्व जब
भावना के सरोवर में
छप छप करने लगे
तब
कागज़ की नाव पर
शब्द ओस बन
झूमने लगे... और...
हौले से कविता का
गर्भ-अंकुरण हुआ

कविता गर्भ-अंकुरित
कब हुई
या
प्रसव-पीडा कविता की
थी लम्बी कितनी
थी तीव्र कितनी
थाह लेना इसकी
संभव नहीं

असंख्य कविताएँ
हैं अवतरित होती
परन्तु ऊँगलियों पर
गिन सके
इतनी कविताएँ
हैं जन्म कवि को देती

Copyright © 2009 NarendraModi.com

मित्रो,
मैं कवि नहीं
मैं तो केवल कविता प्रेमी हूँ.
शब्द, साधना, उपासना का
आनंद ढूँढता
रहता हूँ.

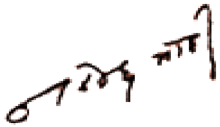

Copyright © 2009 NarendraModi.com